WELCOME

Edit with WPS Office

DIGVIJAY AUTONOMOUS PG COLLEGE RAJNANDGAON,CHHATISGARH

Subject: - Working with Groups/Group WORK

TOPIC :- Understanding of group

समरेखा
Edit with WPS Office

- प्रस्तावना
- अर्थ
- परिभाषा
- प्रकार
- विशेषता
- निष्कर्ष
- संदर्भग्रंथ

प्रस्तावना

Edit with WPS Office

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है,बिल्कुल अकेला व्यक्ति कोरी कल्पना है वह कभी भी अकेला नहीं रह सकता है।उसका दैनिक जीवन अधिकतर समूहों में रहकर व्यतीत होता है वह परिवार के सभी सदस्य के रूप में अपनी दिनचर्या प्रारंभ करते हैं वह दिन में काम करने घर से बाहर जाता है तथा शाम को भोजन करने के लिए लौटकर आता है,भोजन पर बैठे सदस्य दिन भर के अपने अनुभवों का वर्णन करते हैं जिसमें चर्चा आरंभ होती है जिससे चर्चा के दौरान अपने अनुभव का आदान प्रदान करते हैं शुष्क या रोचक अनुभव जो समूह संबंध से उत्पन्न होते हैं,व्यक्तित्व को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अध्याय का उद्देश्य है जिन सामाजिक समूह में मनुष्य रहता है तथा जो उनके जीवन के अत्यधिक प्रभावित करते हैं।

Edit with WPS Office

अर्थ

सामाजिक समूह मानव प्राणियों का संग्रह है मूल अर्थ में सामाजिक समूह किसी वस्तु की इकाइयों की संख्या है जो एक दूसरे के निकट में स्थित है इस प्रकार हम किसी गली के घरों को वन में वृक्षों को बस स्टैंड में बसों की समूह की बात कर सकते हैं मानव चित्र में समूह से तात्पर्य मनुष्य के ऐसे संकलन से हैजो एक दूसरे के साथ सामाजिक संबंध रखते हैं।

समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से जब दो या दो से अधिक व्यक्ति सामान्य उद्देश्य के लिए एक-दूसरे से संबंध स्थापित करते है और प्रभावित होते है तो व्यक्तियों के ऐसे संग्रह को सामाजिक समूह कहा जाता हैं।

Edit with WPS Office

परिभाषा

1. मैंकाइवर एवं पेज के अनुसार,"समूह से हमारा तात्पर्य व्यक्तियों के ऐसे संगठन से है जो एक दूसरे के साथ सामाजिक संबंध रखते हैं।"

2. हार्टन एवं हंट के अनुसार,"समूह व्यक्तियों के संग्रह तथा श्रेणियां होती है जिसमें सदस्यता एवं अंत: क्रिया की चेतना है।"

3. आगबर्न एवं निमकॉफ के अनुसार ,"जब कभी भी दो या दो से अधिक व्यक्ति एक साथ मिलते हैं और एक दूसरे को प्रभावित करते हैं तो सामाजिक समूह का निर्माण होता है।"

प्रकार

Edit with WPS Office

समाज विज्ञानियों ने समूह के विभिन्न प्रकारों को वर्गीकृत करने का प्रयास किया है जो निम्न प्रकार हैं:-

स्वैच्छिक बनाम अस्वैच्छिक

हम किसी राजनीतिक पार्टी अथवा एक विशिष्ट एसोसिएशन में शामिल होते हैं(विशिष्ट प्रकार का व्यवसाय)। इस प्रकार के समूहों में हम अपनी इच्छा व प्रयासों से सम्मिलित होते हैं, इसे हम स्वैच्छिक समय कहते हैं।

इसके विपरीत हम बलपूर्वक या जबरन किसी समूह में शामिल हो जाते हैं, जिसमें हमारी इच्छा नहीं होती है अर्थात हमें पता है लिंग आयु राष्ट्रीयता धार्मिक तथा उमरी जातीयता वर्गीकरण के आधार पर कुछ समूह में सम्मिलित कर लिया जाता है बाद में इन वर्णित समूहों की सदस्यता हमें जन्म से मिल जाती है इनमें हमारी इच्छा को नहीं पूछा जाता है इसलिए यह अस्वैच्छिक समूह माने जाते हैं।

खुले मुक्त समूह बनाम बंद समूह

खुले समूह उन समूहों को विशेषकृत किया गया है जिसके सदस्य बदलते

Edit with WPS Office

रहते हैं। वास्तव में यहां कोई भी सदस्य बन सकता है। जैसे कि कुछ सदस्य समूह छोड़ कर चले जाते हैं और दूसरे सदस्यों को इनके स्थान पर सदस्य बना लिया जाता है और समूह चलता रहता है। दूसरे और कुछ ऐसे समूह हैं जहां विशेषकर ने व्यक्तियों को सदस्य बनाने पर पाबंदी होती है और वे नहीं चाहते कि कोई सदस्य इन समूहों का सदस्य बन सके। समूह में शामिल होना बहुत कठिन होता है। कुछ ही लोग इस तरह की क्लबों की सदस्य बनने की योग्यता पूरी कर पाते हैं।इस तरह के समूह में सदस्यता लेने पर पाबंदी होती है तथा इन्हें बंद समूह का नाम दिया जाता है।

ऊर्ध्वाकार बनाम क्षितिज समूह

कुछ ऐसे समूह होते हैं जिनमें व्यक्तिगत रूप से किसी को भी सदस्य बनाया जा सकता है जीवन के प्रत्येक क्षेत्र कि लोगों के लिए सदस्यता खुली होता है अर्थात धार्मिक समूह में सभी श्रेणी के लोगों के लिए सदस्यता की मांग पूरी होती हैं।इस तरह के समूहों को उद्भव आकार समूह कहा जाता है। दूसरी और 36 समूह होते हैं इनमें केवल एक सामाजिक वर्ग के सदस्यों को जो अधिपत्य लोगों का वर्ग होता है वही सदस्य बन सकते हैं। उदाहरण के लिए चिकित्सकों का व्यवसायिक समूह (अर्थात आई एम ई)एक व्यावसायिक वर्ग की श्रेणियों अथवा उनकी संस्थाओं को

ही सदस्यता प्रदान करती है, में इलेक्ट्रॉनिक्स खा लिया लकड़ी का काम करने वाले गैर राजपत्रित अधिकारी जैसे वर्गों से अर्थात की सामाजिक वर्ग के सदस्यों से ही समूह का निर्माण किया जाता है

प्राथमिक बनाम द्वितीयक समूह

प्राथमिक समूह के संबंध में कुल लेने वर्णन किया है कि व्यक्तियों के एकत्रित होने के रूप में प्राथमिक समूह कहलाता है जैसे लड़कियों का समूह पड़ोसी या ग्राम इसमें घनिष्ट सहानुभूति पूर्वक सामने सामने मिलाया संगठित होना और एक दूसरे का सहयोग करना जैसी विशेषताएं हैं।प्राथमिक समूह समूह होता है जिसमें सदस्य कनिष्ठ व्यक्तिगत नजदीकी और स्थाई संबंध बने रहते हैं अर्थात परिवार पड़ोसी साथ काम करने वाले इत्यादि। यहां पर सदस्य एक दूसरे को अच्छी तरह से जानते हैं तथा एक दूसरे से प्रभावित होते हैं और परस्पर संबंधों से जुड़े हैं ऐसा महसूस करते हैं।दूसरी और दीप समूह का संघात्मक संबंध है और अप्रत्यक्ष रूप से संचालन करते हैं इसकी तुलना में व्यापक अस्थाई अनजान या अनाम है यह औपचारिक व्यक्ति समूह भी है जिसने बहुत ही आंसी घनिष्ठता या आपसी समझ होती है तथा यह कुछ लाभ है क्रियाकलाप पर आधारित होती है तथा इसके कुछ सदस्य विशिष्ट भूमिकाओं के आधार पर ही किया कल आप करते हैं।

Edit with WPS Office

प्राकृतिक बनाम निर्मित समूह

प्राकृतिक समूह सहज भाव तरीके से एकत्रित होने वाले सदस्यों का समूह होता है या सहज भाव से होने वाली घटनाओं पर आधारित आर्थिक आकर्षण या सदस्यों की सीमा सुसु करने वाली आ सकता पर आधारित होती है प्राकृतिक समूह के उदाहरण परिवार सामान समूह तथा गधी की गैंग हो सकते हैं दूसरी ओर नेम इस समूह किसी बाहरी प्रभाव या बाहर के अनुच्छेद से बने समूह होते हैं इस तरह के समूह किसी मशीन उद्देश्य से निर्मित किए जाते हैं के उदाहरण चिकित्सा समूह समूह समितियों और टीम इत्यादि है।

औपचारिक बनाम अनौपचारिक समूह

तारीख समूह वह सब होते हैं जिसमें किसी के द्वारा निर्धारित कार्य संपन्न होता है या उसको पूरा करने की आवश्यकता होती है इसमें संगठनात्मक प्रणाली की आवश्यकता होती है जो बहुत से कार्यों की भूमिका बना होता है या व्यक्ति की नियुक्ति होती है यहां कार्य विशेष महत्व रखता है यहां कुछ भी नहीं विशेषकर इसमें व्यक्ति और उसे दी की भूमिका में परिवर्तन हो सकता है अनौपचारिक समूह अन्य प्रकार से अपना कार्य करते हैं व्यक्तियों का समूह समूह बनाते हैं तब से व्यक्ति की वरीयता ऊपर आधारित भूमिका आवंटित करते हैं तथा ज्ञान पर आधारित होते हैं या भूमिकाओं का संकलन संभावित

बनाना है तथा कभी-कभी एक साथ भी कार्य कर सकते हैं जैसे ट्री बनाना या एक रात्रिभोज या किसी भी प्रकार की पार्टी देना इसमें व्यक्ति को वरीयता दे दी जाती है कार्य तो या अकस्मात होता है।

उपचार बनाम कार्य समूह

उपचार समूह समूह है जिसका मुख्य उद्देश्य समूह सदस्यों की सामाजिक संवेदनात्मक और श्याम की पूर्ति करना है इस तरह की समूह का उद्देश्य प्राया सहयोग शिक्षा चिकित्सा अवकाश तथा समाजीकरण की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सदस्यों की बैठक करना है चार समूह में विकास समूह (अर्थात जोड़ों के लिए आकस्मिक समय किशोरों के लिए मूल्य स्पष्टीकरण समूह या सामुदायिक महिलाओं के लिए शिक्षक समूह) शामिल है।स्किन क्रीम कार्य समूह का उद्गम लक्ष्य को पूरा करने के लिए होता है जो कि ना तो सहज भाव से पैदा होता है और ना ही समूह सदस्य की आवश्यकताओं से संबंधित होता है बल्कि इसका क्षेत्र व्यापक होता है समाज कार्य अभ्यास स्थापना में कार्य समूह का पौराणिक उदाहरण चिकित्सा दल है उपचार निगरानी और स्टाफ विकास की सुविधा के लिए उपचार सम्मेलनों का आयोजन करना है।

विशेषता

- समूह प्रक्रिया क्षणिक होती है जिसके कारण उनके पूर्ण होने में समय सीमा निर्धारित नहीं होती।

Edit with WPS Office

- यह निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है जिसके कारण लचीलापन का अभाव होता है।
- सामूहिक प्रक्रिया पूर्णता सामूहिक सामाजिक अंत: करण क्रियाओं पर निर्भर होते हैं इनके अभाव में सामूहिक प्रक्रिया असंभव होती है।
- सामूहिक प्रक्रिया में केवल सकारात्मक परिणाम ही नहीं होते अभी तो नकारात्मक परिणामों की संभावना भी होती है।
- सदस्यों की उदासीनता सामूहिक प्रक्रियाओं का विरोध करती है।
- समूह प्रक्रिया पूर्णता व्यक्तिगत व्यवहार तथा अंत: संबंधों पर निर्भर करती है।

निष्कर्ष

समूह के साधन तकनीकी स्पष्ट व्याख्या कि और जाना कि समूह का निर्माण अंखियों से होता है और वह हमारे जीवन में विभिन्न प्रयोजनों

का निष्पादन करता है विशिष्ट समूह दो या दो से अधिक व्यक्तियों द्वारा निर्मित होता है अभी परस्पर निर्भर होते हैं इंग्लिश समानता होती है और लक्ष्य प्राप्त करने में भागीदार होते हैं आदित्य सामान्य संरक्षी तथा अशिक्षित खुले और बंद औपचारिक एवं अनौपचारिक उपचार और कार्य इत्यादि होते हैं।समूह व्यक्ति के व्यक्तित्व को आदर्श रूप में डालने का एक साधन है जो अपनी समस्या समाधान आत्मक प्रतिष्ठा का निर्माण द्वंद संकल्प है समाज में व्यक्ति के समाजीकरण के मामलों के लिए अवसर उपलब्ध कराता है अंत में वह कहा जा सकता है कि सामाजिक समूह कार्य अभ्यास के लिए समूह बहुत ही प्रासंगिक बन गए हैं।

संदर्भ ग्रंथ

डी कार्टराइट (1968) "दी नेचर ऑफ ग्रुप कोहेसिवनेस"

कोरी, एम.एस, (2002) "ग्रुप प्रोसेस एंड प्रैक्टिस"

कुले सी एच (1973)। "सोशल ऑर्गनाइजेशन"

Edit with WPS Office

Edit with WPS Office